सीआईआई एग्रोटेक 2024: खेती में तकनीक, भविष्य के लिए जरूरी: :असीम अरुण

लखनऊ। सीआईआई एग्रोटेक इंडिया कृषि भारत 2024 के अंतिम दिन एक सशक्त भविष्य के लिए सतत कृषिः नवाचार, जलवायु कार्रवाई और सामुदायिक सशक्तिकरण का एकीकरण विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विशेषज्ञों ने किसान समुदाय के लिए इनोवेटिव प्रैक्टिस, जलवायु-स्मार्ट समाधानों और सशक्तिकरण रणनीतियों पर चर्चा की। कृषि में प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार के सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा, कृषि हम सभी की बुनियादी आवश्यकता है। कृषि में उन्नत प्रौद्योगिकी समय की मांग और अनिवार्यता है। यह न केवल चुनौतियों का समाधान करेगा बल्कि किसानों के लाभ को भी बढ़ाएगा। किसानों को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए कृषि वित्त और बाजार संपर्क महत्वपूर्ण हैं। पैनलिस्टों में लीड्स कनेक्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के डीजीएम पुनीत पांडे, एचसीएल फाउंडेशन के समुदाय और माई क्लीन सिटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आलोक वर्मा, सीएसआईआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट संजय कुमार, एरीज एग्रो लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप मिश्रा और आशीष श्रीवास्तव शामिल थे, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण बीजों, सूखा प्रतिरोधी किस्मों जैसी उन्नत बीज तकनीकों और वैज्ञानिक फसल प्रबंधन पर किसानों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्नत बीज प्रौद्योगिकी और जलवायु-स्मार्ट समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है

प्रौद्योगिकी, साझेदारी और सिंचाई विषय पर चर्चा

सीआईआई एग्रोटेक कृषी भारत 2024 के चौथे दिन जल और सिंचाई प्रबंधन पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसका विषय था - गैप्स को पाटनाः प्रौद्योगिकी, साझेदारी और सिंचाई। इस सत्र में प्रतिष्ठित सरकारी अधिकारियों, उद्योग के नेताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रतिनिधियों और सीआईआई अधिकारियों ने भाग लिया। सीआईआई उत्तरी क्षेत्र जल समिति के अध्यक्ष भवदीप सरदाना ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में कुशल जल प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। भारतीय स्टेट बैंक के लखनऊ सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक शरद चांडक ने कृषि विकास में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कुसुम योजना, जो सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपों पर सब्सिडी देती है, और प्रति बूंद अधिक फसल, जो पर्यावरण अनुकूल सिंचाई प्रणालियों को अपनाने का समर्थन करती है, जैसी योजनाओं पर चर्चा की।